B.A. (Honours) Semester-V Examination 2016
Hindi (Honours)
Course - H-11
आधुनिक कविता : भाग-2

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in margin

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 2×8=16

(क) मेरे तो-
चरण हुए थे विजड़ित मधु भार से।
हँसती अनंग बालिकायें अंतरिक्ष में
मेरी उस क्रीड़ा से मधु अभिषेक में
नत सिर देख मुझे–

(ख) इसमें सच्ची समता के दाने बोने हैं
इसमें जन की क्षमता के दाने बाने हैं
इसमें मानव ममता के दाने बोने हैं
जिससे उगल सके मिल धूल सुनहाली फसलें
मानवता की जीवन श्रम से हँसे दिशाएँ
हम जैसा बोयेंगे वैसा ही पायेंगे।

(ग) हेर उर-पट फेर मुख के बाल,
लख चतुर्दिक चली मन्द मराल
गेह में प्रिय नेह की जय-माल,
वासना की मुक्ति मुक्ता
त्याग में तागी।

(घ) स्नेह भरा जलता है झिलमिल मेरा यह दीपक-मन रे!
मेरे दृग के तारक में नव उत्पल का उन्मीलन रे!
धूप बने उड़ते रहते हैं प्रतिपल मेरे स्पन्दन रे !
प्रिय-प्रिय जपते अधर ताल देता पलकों का नर्तन रे।

2. निम्नलिखित प्रश्नों मे से किन्ही **दो** के उत्तर दीजिए— 2×12=24

(क) 'अशोक की चिन्ता' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।
(ख) पठित कविताओं के आधार पर पंत के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।
(ग) निराला के काव्य-सौन्दर्य का विवेचन कीजिए।
(घ) महादेवी वेदना और करुणा की कवयित्री हैं — इस कथन की पुष्टि कीजिए।